टिप्पणी

222hi21

21

व्यावसायिक भूमिका के लिए तैयारी

आज का विश्व बहुत अधिक स्पर्धा युक्त है। प्रतिदिन हम बाजार में नये अवसर निकलते हुए देखते हैं। प्रतिस्पर्धा और अवसर की तुलना करना, प्रारम्भिक अवस्था में ही व्यावसायिक चुनाव के साथ ही व्यावसायिक भूमिका की तैयारी के लिये आवश्यक हो जाता है। पिछली शताब्दी के आरम्भ में ही, बहुत से विशेषज्ञों की यही राय थी कि सभी विद्यार्थियों के लिये व्यवसाय की पूरी योजना बनाना आवश्यक है। वह क्या करेगा, यह केवल व्यवसाय के चयन करने की बात नहीं है। नौकरी की तलाश करने से बेहतर एक व्यवसाय का चयन करना है।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- व्यावसायिक भूमिका के लिए तैयारी की आवश्यकता का वर्णन कर सकेंगे;
- कैरियर, पेशा, व्यवसाय जैसे विभिन्न संकल्पनाओं को समझ सकेंगे;
- एक व्यवसाय के लिये सामान्य आवश्यकताकी जानकारी पा सकेंगे; और
- कैरियर चयन की समस्याओं और संभावनाओं सहित व्याख्या कर सकेंगे।

21.1 व्यावसायिक भूमिका का अर्थ

'व्यवसाय' शब्द कार्य और व्यवसाय के अवसर को व्यक्त करता है। दशाब्दियों से कैरियर की समझ में पर्याप्त विस्तार हुआ है, जिसमें ''नौकरी के बजाय नौकरी की तलाश में व्यक्ति'' शामिल हो गया है। इसलिए व्यावसायिक या पेशे के चयन का स्थान कैरियर चयन ने ले लिया है।

21.2 उपयुक्त व्यवसाय के लिये तैयारी की आवश्यकता

हममें से अधिकतर लोग उसी व्यवसाय का चयन करना चाहते हैं, जो कि हमने अपने माता–पिता

टिप्पणी

से, दोस्तों से और समाज से सुना है, या जो हमने मैगजीन में पढ़ा है, या टेलीविजन पर देखा है।

व्यावसायिक भूमिका के लिए तैयारी

उसी संकुचित समझ के आधार पर हम सोचते हैं, कि हम जानते हैं कि कार्य क्या है, और उसकी समस्याओं को समझने के लिये प्रवृत्त हो जाते हैं। यदि व्यवसाय के चयन के बाद हमें पता चलता है, कि हमारी योग्यता और अभिवृत्ति उसके लिये ठीक नहीं है, तो हम अपना धन, समय और कई चीजें खो देंगे। अतः स्वयं को तैयार करना और सही चयन करना आवश्यक है। शिक्षा की निश्चित दिशा का चयन वह प्रक्रिया है जिसे गम्भीर विचार की आवश्यकता है। वास्तव में शिक्षा प्रणाली में प्रवेश से ही चयन करने की प्रक्रिया शुरू होती है। जब व्यक्ति चयन करता है, तो यह शिक्षा के सामान्य स्तर से विशिष्ट प्रशिक्षण तक है। अतः विद्यार्थी के लिये दो विकल्प हैं– सामान्य शिक्षा और विशिष्ट प्रशिक्षण। सामान्य शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को पढ़ने, लिखने, शारीरिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय मूल्य और प्रेरणा में प्राथमिक कौशल प्रदान करना है। प्रायः व्यवसाय में या उच्च शिक्षा में या विभिन्न विशिष्ट प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिये सामान्य शैक्षिक योग्यता, माध्यमिक या उच्चतर माध्यमिक स्तर की शिक्षा होती है।

पाठगत प्रश्न 21.1

1. उपयुक्त व्यवसाय के चयन के लिये अनिवार्य दो विकल्पों को चिन्हित करके व्याख्या कीजिए।

21.3 विशिष्ट प्रशिक्षण

वर्तमान समय में भारत में शिक्षा–तेज गति से फैल रही है। शिक्षित व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि ने देश में रोजगार की व्यवस्था बिगाड़ दी है और उच्च शिक्षा में असफल लोगों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुये विशिष्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता अनुभव की जा रही है, क्योंकि कार्य के हर क्षेत्र में हमें अब भी योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है।

उन विद्यार्थियों को, जो रोजगार में प्रवेश के लिये तैयारी कर रहे हैं, विभिन्न रोजगारों में विशिष्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। विशिष्ट प्रशिक्षण के लिये आवश्यक संस्था के बारे में भी जानने की आवश्यकता है। इनमें से कुछ संस्थाओं के बारे में जानकारी नीचे दी गयी है।

1. **व्यावसायिक संस्थाः** यह संस्थायें निश्चित क्षेत्रों के लिये स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा प्रदान करती हैं, जैसे चिकित्सा, इन्जीनियरिंग (अभियान्त्रिकी), प्रबन्धन, सूचना तकनीक और कानून आदि।

2. **पोलीटेक्नीक:** यह संस्थायें विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम प्रदान करके उनका प्रशिक्षण देती हैं, जोकि उनको शिल्पकार, जूनियर इंजीनियर, ड्राफ्टसमैन तथा अन्य तकनीकी वर्ग जैसे उप–व्यवसायों के लिये तैयार करती है।

3. **व्यापारिक संस्थायें:** यह संस्थायें टाइपिंग, शार्टहैन्ड, बुक–कीपिंग, फाइल प्रबन्धन जैसे पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण देती हैं।

4. **शिल्प प्रशिक्षण स्कूल:** पिछले कुछ वर्षों से कपड़े काटने और सिलने, बुनने, कढ़ाई करने, हस्तशिल्प और लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रशिक्षण स्कूलों की मांग बढ़ती जा रही है।

5. **विशिष्ट संस्थायें:** आजकल नयी पीढ़ी विशिष्ट संस्थानों जैसे फिल्म और टेलीविजन, मर्चेन्ट नेवी, होटल प्रबन्धन, फैशन तक्नोलॉजी आदि की तरफ प्रभावित हो रही हैं।

6. **पत्राचार संस्थायें:** वे विद्यार्थी, जिनको सामान्य या नियमित संस्थाओं में किसी न किसी कारण से प्रवेश नहीं मिल पाता, उनको दूरस्थ पद्धति से शिक्षा दी जाती है। वे घर पर रहकर या अपनी जीविका चलाते हुये अपनी शिक्षा पूरी कर सकते हैं। इन्दिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय आदि ऐसी संस्थायें हैं जो दूरस्थ शिक्षा विधा से शिक्षा प्रदान करते हैं। आपको जो सामग्री दी जा रही है वह भी दूरस्थ विधा में है, यह राष्ट्रीय मुक्त शिक्षा संस्थान द्वारा प्रदत्त है।

पाठगत प्रश्न 21.2

1. विशिष्ट संस्थाओं के क्या उद्देश्य हैं?

21.4 कैरियर, पेशा और व्यवसाय की संकल्पनाएं

सम्पूर्ण इतिहास में 'कैरियर' को विभिन्न नामों से जाना जाता है जैसे व्यवसाय और पेशा या धंधा, लेकिन कैरियर शब्द व्यवसाय से अधिक आधुनिक बहुत कुछ निहित करने वाला है। कैरियर पेशे से भी विस्तृत है। कैरियर का आशय उन घटनाओं से है जो जीवन को आकार देती हैं। इसमें व्यवसायों के क्रम और जीवन की दूसरी भूमिकायें शामिल हैं, जो कि व्यक्ति के सम्पूर्ण आत्मविकास के पैटर्न में कार्य की बचनबद्धता को व्यक्त करने के लिये जोड़ती है। कई प्रतिष्ठानों में व्यवसाय एक जैसी नौकरियों का समुदाय है।

एक व्यवसाय कई प्रतिष्ठानों में एक जैसी नौकरियों के समूह का उल्लेख करता है। यह उस नौकरी से भिन्न होता है, जो कि एक कारखाने, व्यापार संस्था या दूसरे कार्य स्थल में एक सी

स्थिति के समूह को दर्शाता है। एक व्यवसाय एक कार्य है, चाहे वो पेशे के लिये हो या फिर स्वैच्छिक, जिसे परहितकारी लाभ के लिये किया जाता है यह कितना ही लाभप्रद क्यों न हो व्यापार का गौण पक्ष माना जाता है। व्यवसाय को कर्मी की मनोवैज्ञानिक आवश्यकता पूरी करने के रूप में देखा जा सकता है और इस पद को उस व्यवसाय के वर्णन के लिये प्रयोग किया जा सकता है जिसके लिये व्यक्ति विशेषकर प्रतिभाशाली है, और सामान्यतः कर्मी की चाहत इसके लिये अन्तर्निहित होती है।

21.5 व्यवसाय के लिये सामान्य आवश्यकतायें

कार्य जगत को समझना आवश्यक है। कार्य जगत में अनगिनत व्यवसाय आते हैं– उदाहरण के लिये– अगर आप शिक्षक बनना चाहते हैं तो आपको यह स्पष्ट होना चाहिये कि शिक्षण के पेशे में विभिन्न स्तरों के लिये भिन्न प्रकार की शैक्षिक योग्यता होती है।

प्रत्येक नौकरी के लिये कुछ अर्हताएं होती हैं। जैसे (प) आयु (पप) लिंग (पपप) नागरिकता (पअ) शारीरिक (विशेषकर सैन्य बल के लिये) (अ) व्यक्तित्व (अप) शैक्षिक और प्रशिक्षण (अपप) अनुभव (अपपप) कानूनी आवश्यकता और (पग) अनुज्ञा धारिता।

उपर्युक्त अर्हताएं सभी नौकरियों के लिये एक समान नहीं हो सकतीं। उदाहरण के लिये सैन्य बल के लिए शारीरिक अर्हता कड़ाई के साथ आवश्यक है। लेकिन विक्रेता के लिए महत्वपूर्ण नहीं। जबकि शरीरिक अर्हता हमारे देश के विभिन्न प्रदेशों में भिन्न–भिन्न है।

क्रियाकलाप 1

एक नौकरी के लिये अर्हतायें

क्या आप निम्न नौकरियों के लिये शारीरिक अर्हताओं की सूची बना सकते हैं? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।

(अ) सेना

(ब) अध्यापक

(स) डाक्टर

(द) विक्रेता

(य) खेल अध्यापक

(र) किसान

(ल) वकील

एक व्यवसाय के चयन के अभिप्राय को पूरा करना शैक्षिक और व्यवसायिक योजना पर निर्भर करता है। योजना की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता। प्रत्येक व्यक्ति के लिये, आरम्भ से ही शिक्षा की योजना बनाना आवश्यक है। हम जानते हैं कि सामान्य शिक्षा का लक्ष्य, समाज की उचित कार्य पद्धति के लिये सभी तरह के कार्यों को चलाने के लिये सकारात्मक धारणा और

आदर उत्पन्न करना है। सामान्य शिक्षा, यह शब्द प्रारम्भिक स्तर से, कालेज/विश्वविद्यालय स्तर तक, शिक्षा का वर्णन करने के लिये प्रयुक्त हुआ है, जैसे प्रारम्भिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक इत्यादि।

क्रियाकलाप 2

योजना

हम अपनी दिन प्रतिदिन के क्रिया कलापों की योजना बनाते हैं। मान लीजिए आप अपने दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाना चाहते हैं। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि समूह के सदस्यों के बीच काम को कैसे बांटा जाता है। अच्छी पिकनिक का आनन्द उठाने के लिये काम को बांटना आवश्यक हो जाता है। यह तो केवल एक दिन का है।

क्या आप सोचते हैं कि आप बिना सही योजना के अपनी शिक्षा और व्यवसाय में उन्नति पा सकते हैं? आपके सामने यह बड़ा प्रश्न है, आपके लिए इस पर चिन्तन करना आवश्यक है।

21.6 व्यवसायिक चयन के उभरते परिप्रेक्ष्य

शिक्षण व व्यावसायिक योजन के बाद, व्यक्ति को व्यावसायिक चयन के लिये बढ़ना चाहिए। ऊपर के भाग में आपने अपने चयन के लिये आवश्यक योजना की महत्ता को समझ लिया होगा। अपने व्यवसाय के चयन में अपनी अभिवृत्ति (जनमगत योग्यताओं), रुचि और व्यक्तित्व की विशिष्टताओं की महत्ता को भी जानना चाहिये। रुचि का आशय एक वस्तु, संस्था या नौकरी इत्यादि के बारे में पसन्द और नापसन्द से है। एक व्यवसाय के चयन के लिये, व्यक्ति की रुचि को जानना आवश्यक है। अभिवृत्ति और व्यक्तित्व को भी जानना बहुत जरूरी है। व्यवसायिक चयन करने से पहले व्यक्ति के व्यक्तित्व की विशेषताओं के साथ–साथ, योग्यता और रुचि के बीच सम्बन्ध भी जानना चाहिये। मनोवैज्ञानिकों के द्वारा बहुत सी विधियों का विकास किया गया है जो व्यक्ति की रुचियों को जानने में सहायता करते हैं। एक परामर्शदाता आपकी रुचि का स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करने में सहायक हो सकता है, वह आपकी अभिवृत्ति और व्यक्तित्व की विशिष्टताओं के बारे में बताने में सक्षम होगा। आपको एक नौकरी के लिये न्यूनतम वांछित शैक्षिक योग्यता भी जाननी चाहिये। अपनी रुचि, अभिवृत्ति और व्यक्तित्व की विशिष्टताओं के बारे में जानने के बाद आप एक बुद्धिमत्ता पूर्ण व्यावसायिक चयन करने की स्थिति में होंगे। व्यक्ति को यह याद रखना चाहिये कि समय के साथ रुचि बदलती है और योग्यता के साथ–साथ व्यक्तित्व के गुण भी निश्चित नहीं हैं। अतः व्यक्ति एक विकल्प भी बना सकता है क्योंकि, अगर वह पहला चयन प्राप्त करने में सक्षम न हो, तो दूसरे विकल्प के लिये कोशिश करना चाहिए।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 21.3

1. एक कैरियर का निर्णय करते समय आवश्यक पहलू, जोकि ध्यान में रखना जरूरी है, चिन्हित कीजिए।

21.7 कैरियर का चयन, उसकी समस्यायें एवं प्रत्याशायें

अब हम कैरियर के चयन के बारे में देखेंगे जो कि व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण कार्य है। हम पहले ही पिछले भाग में चयन की महत्ता पर विवेचना कर चुके हैं।

सौ से अधिक कैरियर के विकल्प उपलब्ध हैं। आप कैरियर का चयन कैसे कर सकते हैं, जब आपको यही नहीं मालूम कि आप क्या करना चाहते हैं। क्या यह एक दुर्गम कार्य की तरह प्रतीत होता है? हां, आपको अपने निर्णय करने में कुछ समय और शक्ति की आवश्यकता है। अच्छे कैरियर के चयन में एक व्यक्ति को निम्नलिखित चरणों को समझना होगा।

1. **स्वयं को आंकियेः** चयन करने से पहले आपको अपने बारे में, अपने मूल्यों रुचि, योग्यता और निपुणता के साथ ही साथ व्यक्तित्व की विशेषताओं के बारे में जानना होगा। कुछ कैरियर आपके लिये विशेषकर अनुकूल हो सकते हैं। इसके लिये आपको स्वयं अंकन–उपकरण जिनको कैरियर परीक्षण कहते हैं, जो कि सही रूप में कैरियर परामर्शदाता की सहायता से ही प्रयोग किये जा सकते हैं।

2. **विभिन्न व्यवसायों की सूची बनाइयेः** हजारों व्यापार हैं लेकिन आपके लिये कुछ ही उचित हो सकते हैं। अपनी रुचि के अनुसार पांच से दस तक की एक छोटी सूची बनाइये, उस पर गोला बनाइये। विचार करिये और फिर उन व्यापारों को एक अलग पन्ने पर लिखिये। आप उसका शीर्षक दे सकते हैं जैस ''व्यापार को खोजना''।

3. **अपनी व्यापार सूची को संकुचित कीजिएः** विभिन्न व्यापारों में से छांटकर इसे दो या तीन तक लाइये। अब आप, नौकरी के विवरण, शैक्षिक योग्यता, अन्य आवश्यकताओं, पदोन्नति के अवसर और आय, उसकी भौगोलिक स्थिति, नौकरी में जोखिम आदि के विभिन्न पक्षों को चिन्हित कीजिए।

4. **अपने लक्ष्य निश्चित कीजिएः** अब यह आशा की जाती है कि आप एक निश्चित व्यवसाय का निर्णय कर चुके हैं। अब एक योजना तैयार करने का समय है, जिसमें कुछ लक्ष्य निश्चित करने की आवश्यकता है।

5. **एक कार्य योजना तैयार कीजिएः** लक्ष्य निर्धारित करने के बाद, आपको निर्णय लेने की आवश्यकता पड़ेगी कि उन तक कैसे पहुंचें। अपने छोटे व बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने

में कैरियर कार्य–योजना आपको निर्देशिक करेगी। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कीजिए और उन पर ध्यान केन्द्रित कीजिए।

कैरियर चयन के बारे में कुछ निश्चित पुरानी धारणायें हैं जिन्हें कैरियर चयन के समय आपको हमेशा उनसे बचना चाहिये और उनसे सावधान रहना चाहिये। वे हैं–

1. ''कैरियर–चयन एक साधारण कार्य है।''
2. ''एक कैरियर परामर्शदाता बता सकता है कि किस व्यापार का चयन करना चाहिए।''
3. ''अपने मनपसन्द कार्य से जीविका नहीं चला सकते।''
4. ''बहुत सारा धन कमाना हमें प्रसन्न बनायेगा।''
5. ''एक बार एक कैरियर का चयन कर लूँ, मैं उसमें आजीवन रहूँगा।''
6. ''अगर मैं कैरियर बदलूंगा, तो मेरी कौशल बेकार जायेगा।''
7. ''यदि मेरे घनिष्ठ मित्र/रिश्तेदार प्रसन्न हैं तो मैं भी प्रसन्न हूँ।''
8. ''मुझे सिर्फ एक व्यापार का चयन करना है।''
9. ''किसी व्यापार पर काम किये बिना मैं उसके बारे में बहुत कम सीख सकता हूँ।''

पाठगत प्रश्न 21.4

1. एक अच्छे कैरियर चयन के लिये आवश्यक चरणों की सूची बनाइये।

आपने क्या सीखा

- एक कैरियर के लिये उपयुक्त शिक्षा का चयन करना एक प्रक्रिया है।
- उन विद्यार्थियों के लिए एक व्यवसाय में विशिष्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता है वे जिसमें जाने की तैयारी कर रहे हैं।
- जीवन के हर स्तर पर योजना महत्वपूर्ण है।
- व्यावसायिक योजना सावधानी से करनी चाहिये।
- कैरियर का चयन करते समय अपनी योग्यता और व्यक्तित्व की विशेषताओं को मन में रखिये।

- व्यक्ति के जीवन में कैरियर बनाना एक कठिन कार्य है।
- एक परामर्शदाता, मार्गदर्शन और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की सहायता से, एक बुद्धिमत्तापूर्ण व्यापारिक चयन में आपकी सहायता कर सकता है।

पाठांत प्रश्न

1. कैरियर चचन में पहला चरण क्या है?
2. कैरियर की योजना बनाने की महत्ता को स्पष्ट कीजिए।
3. कैरियर, व्यवसाय और पेशे में अन्तर कीजिए।
4. कैरियर चयन के बारे में विभिन्न भ्रान्तियाँ क्या हैं?

पाठगत प्रश्नो के उत्तर

21.1

1. सामान्य शिक्षा और विशिष्ट प्रशिक्षण।

21.2

1. विभिन्न व्यवसायों के लिये विशिष्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

21.3

1. अभिवृत्ति, रुचि की प्रतिकृतियाँ, व्यक्तित्व।

21.4

1. अपने को आँको, विभिन्न व्यवसायों की सूची बनाओ, सूची को संकुचित करो, लक्ष्य निश्चित करो, क्रिया योजना तैयार करो।

पाठांत प्रश्नों के संकेत

1. खण्ड 21.2 देखें
2. खण्ड 21.2 देखें
3. खण्ड 21.4 देखें
4. खण्ड 21.7 देखें

टिप्पणी

व्यावसायिक भूमिका के लिए तैयारी

क्रियाकलाप – अपनी रुचि का क्षेत्र पहचानिये

दस प्रमुख व्यवसायों की सूची नीचे दी गयी है। आपको इन व्यवसायों के लिये अपनी व्यैक्तिक वरीयता को व्यक्त करना है, जो कि जोड़े में दी गयी है। प्रत्येक तुलना के साथ, कल्पना करो कि आय और प्रतिष्ठा मे कोई अन्तर नहीं है। एक खाने में दो व्यवसाय हैं (ए से जे) दोनों की तुलना करो, अपनी पसन्द के अनुसार दोनों व्यवसायों में प्रत्येक को 0 से 4 तक अंक बांटो।

उदाहरण के लिये, आप बी से ज्यादा ए व्यवसाय को पसन्द कर सकते हैं और उसी तरह आप 3 अंक ए को और 1 अंक बी को दे सकते हैं। यदि आप दोनों को एक सा पसन्द करते हैं आप एक को ज्यादा वरीयता दीजिये, और दूसरे को पूर्णतः नापसन्द करिये, आप 4 अंक और क्रम से 0 दे सकते हैं। यदि आप दोनों पेशों को नापसंद करते हैं, तो प्रत्येक को 0 दीजिए। इसलिये प्रत्येक खाने में आपको निम्नतम 0 और अधिकतम 4 अंक देने हें। आप प्रत्येक को 2 भी दे सकते हैं। यदि दूसरी तरफ प्रत्येक व्यवसाय के जोड़ों के लिये नम्बर इस तरह हैं–

इंजीनियरिंग (ए) वित्त (बी)	सैनाबल (एच) व्यापार (जे)	वित्त (बी) प्रबन्धन (ई)	प्रशासन (सी) सेनाबल (जी)	प्रशासन (सी) वैज्ञानिक (आई)
वित्त (बी) प्रशासन (सी)	साहित्यिक (जी) वैज्ञानिक (आई)	प्रशासन (सी) कलात्मक (एफ)	वित्त (बी) कलाकार (एफ)	वित्त (बी) सेना (एच)
प्रशासन (सी) चिकित्सा (डी)	कलात्मक (एफ) सेना (एच)	चिकित्सकीय(डी) साहित्यिक (जी)	इंजीनियरिंग (ए) प्रबंन्धन (ई)	इंजीनियरिंग (ए) साहित्यिक (जी)
चिकित्सा (डी) प्रबन्धन (ई)	प्रबन्धन (ई) साहित्यिक (जी)	प्रबंधन (ई) सैन्यबल (एच)	इंजीनियरिंग (ए) कलात्मक (एफ)	इंजीनियरिंग (ए) सैन्यबल (एच)
प्रबन्धन (ई) कलात्मक (एफ)	चिकित्सा (डी) कलात्मक (एफ)	कलात्मक (एफ) वैज्ञानिक (आई)	वित्त (बी) साहित्यिक (जी)	इंजीनियरिंग (ए) वैज्ञानिक (आई)
कलात्मक (एफ) साहित्यिक (जी)	प्रशासन (सी) प्रबन्धन (ई)	साहित्यिक (बी) व्यापार (जे)	प्रशासन (सी) सैन्यबल (एच)	वित्त (बी) वैज्ञानिक (आई)
साहित्यिक (जी) सैन्यबल (एच)	वित्त (बी) चिकित्सा (डी)	कलात्मक (एफ) व्यापार (जे)	चिकित्सा (डी) वैज्ञानिक (आई)	प्रशासन (सी) व्यापार (जे)
सैन्यबल (एच) वैज्ञानिक (आई)	इंजीनियरिंग (ए) प्रशासन (सी)	प्रबन्धन (डी) वैज्ञानिक (आई)	प्रबन्धन (ई) व्यापार (जे)	वित्त (बी) व्यापार (जे)
वैज्ञानिक (आई) व्यापार (जे)	इंजीनियरिंग (ए) चिकित्सा (डी)	चिकित्सा (डी) सैन्यबल (एच)	चिकित्सा (डी) व्यापार (जे)	इंजीनियरिंग (ए) व्यापार (जे)

उदाहरण

इंजीनियरिंग

वित्त

2 के अंक दीजिए यदि आपः इंजीनियरिंग (ए) पेशे को वित्तीय प्रबन्धन से अधिक पसंद करते हैं। वित्तीय प्रबन्धन (बी) से (बी) दीजिए।

10 सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले व्यवसाय

A. इंजीनियरिंग, (केमिकल, मैकेनिकल, इलैक्ट्रानिक, कम्प्यूटर आदि।)

B. वित्त प्रबन्धन (एकाउन्टेट, टैक्स विशेषज्ञ, बैंकर आदि)

C. प्रशासनिक सेवायें (प्रशासनिक अधिकारी, आई.ए.एस., आई.पी.एस. आदि)

D. चिकित्सा (शारीरिक, साइक्रियाटिस्ट, सर्जन, क्लीनिकल साइक्लोलाजिस्ट आदि)

E. प्रबन्धन (संगठनों में प्रबन्धक, सेल्स, होटल)

F. कलात्मक (पेंटिंग, संगीत, स्कल्पचर, आर्किटैक्चर आदि)

G. साहित्यिक (नविलिस्ट, इतिहासज्ञ, शिक्षक/प्रोफेसर, जर्नलिस्ट आदि)

H. सेना सेवा (आर्मी, नेवी, एअर फोर्स)

I. वैज्ञानिक (फिजीसिस्ट, केमिस्ट, बॉयोलाजिस्ट, मनोवैज्ञानिक आदि)

J. व्यापार (इंडस्ट्रियलिस्ट, डेरी, फार्मिंग आदि)

ध्यानः ये कुछ नमूने हैं इनका प्रयोग क्लिनिकल इवैल्युऐशन या कलीनिकल डायग्नोसिस के लिए नहीं होना चाहिए।

अंकार्जन (स्कोरिंग)

45 सेल्स का समाप्त करने के बाद व्यक्तिगत रूप से सभी स्कोर्स को ए से जे तक जोड़ें और उच्चतम स्कोर ले लें। ये वे व्यवसाय हैं जिनमें आपिके अधिक सफल होने की संभावना है, यदि इन क्षेत्रों में आपकी उच्च अभिवृत्ति है, यदि व्यापार में अभिवृत्ति के साथ ही रुचि भी है तो व्यक्ति अपने व्यवसाय में अधिक सफल हो सकता है।